going to have with the State Governments.

DEVELOPMENT OF INDUSTRIES IN JAMMU AND KASHMIR STATE UNDER THE SECOND FIVE YEAR PLAN

*289. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the amount of money spent in Jammu and Kashmir State on the execution of the schemes for developing the State's industries under the Second Five Year Plan in the year 1956-57 and so far in 1957-58; and

(b) how many medium and small industries have been set up there under these schemes?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) and (b). The Second Five Year Plan of Jammu and Kashmir State provides for an amount of Rs. 341 lakhs for the development of Industries in the State. Out of this Rs. 54 lakhs are provided for the development of the following large and medium scale industries:

(i) Government Woollen Mill

(ii) Silk Weaving Plant

(iii) State Finance Corporation

(iv) Drug Manufacture

(v) Cement.

So far Rs. 2·15 lakhs have been spent on these schemes. The details of these schemes are now under examination.

For the development of Village and Small Scale Industries, the following grants and loans have been made to the State:

	Grants Rs.	*Loans* Rs.	Total (Lakhs)
1956-57	7,35,807	9,62,312	16·98
1957-58 (up to	9,60,621	6,11,416	15·71

مولانا ایم - فاروقی : پرائیویٹ سیکٹر کو کتنا لون دیا گیا -

†[मौलाना एम० फारूकी : प्राइवेट सेक्टर को कितना लोन दिया गया ?]

श्री मनुभाई शाह : तकरीबन ये सब स्कीमें पब्लिक सेक्टर की हैं हालांकि विलेज एंड स्माल स्केल इंडस्ट्रीज, जिनके लिये ३४१ लाख रुपया दिया है, उसमें से काफी हिस्सा प्राइवेट सेक्टर को दिया जायगा ।

مولانا ایم - فاروقی : یہ جو لون دیا گیا ہے اس پر کس حساب سے انٹریسٹ ہوگا -

†[मौलाना एम० फारूकी : यह जो लोन दिया गया है उस पर किस हिसाब से इंटरेस्ट होगा ?]

श्री मनुभाई शाह : ये जो इंटरेस्ट है, कुछ बड़ी इंडस्ट्रीज में साढ़े चार परसेंट है और छोटी इंडस्ट्रीज, स्माल स्केल इंडस्ट्रीज में तीन परसेंट है । अलग अलग रेट्स हैं ।

مولانا ایم - فاروقی : گورنمنٹ آف انڈیا نے اس سلسلہ میں کتنا روپیہ کشمیر اسٹیٹ میں انویسٹ کیا ہے -

†[मौलाना एम० फारूकी : गवर्नमेंट आफ इंडिया ने इस सिलसिले में कितना रुपया काश्मीर स्टेट में इनवेस्ट किया है ?]

श्री मनुभाई शाह : ये जो पैटर्न हैं आल इंडिया के लिये हैं । ज्यादातर जहां जहां इंडस्ट्रीज को हेल्प करने की जरूरत होती है वहां स्टेट गवर्नमेंट को लोन देते हैं । उसमें थोड़ा हिस्सा ग्रांट का भी होता है और कभी कभी हिस्से में स्टेट गवर्नमेंट खुद भी पार्टिसिपेट करती है ।

†[ ] Hindi transliteration.

SHRI JASWANT SINGH: Besides this amount given to the State of Jammu and Kashmir, has any grant also been made, or does it all consist of loans?

SHRI MANUBHAI SHAH· The grant is about Rs 16 95 lakh and the loans about Rs 15·73 lakh.

श्री ए० वी० कुन्हम्ब : खासकर कोई इडस्ट्री काश्मीर मे शुरू की गई है ?

श्री मनुभाई शाह : मैने अभी बताया कि सीमेंट के बारे मे अभी बात चीत चल रही है वूलेन मिल के बारे मे प्राइमरी स्टेप्स लिये गये है और ड्रग मैन्युफैक्चर के लिये एक छोटे से प्लाट का इतजाम किया जा रहा है ।

SHRI JASWANT SINGH: With reference to the grant given, may I know whether it has been given for any particular industry or for expenditure on general industries?

SHRI MANUBHAI SHAH Every grant or loan is made for a specific scheme and not for general purposes

INDIAN DELEGATION TO AFGHANISTAN FOR PROMOTING EXPORT OF GREEN TEA

*290 MOULANA M FARUQI Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether an Indian delegation recently visited Afghanistan for promoting export of green tea to that country; and

(b) if so what are the main recommendations of that delegation?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI N KANUNGO). (a) Yes, Sir

(b) Government are awaiting the Report of the delegation

<u>مولانا ایم - فاروقی</u> : کیا آنریبل منسٹر کو یہ اطلاع ہے کہ اس سے قبل بھی وہاں گرین چائے جایا کرتی تھی -

†[**मौलाना एम० फारूकी** : क्या आनरेबल मिनिस्टर को यह इत्तिला है कि इससे किब्ल भी वहा ग्रीन चाय जाया करती थी ?]

श्री एन० कानूनगो हा, ग्रीन टी अफगानिस्तान मे ज्यादातर जाया करती थी । लेकिन अब दुनिया जैसे बदल रही है, वहा भी काली चाय पीने की लोगो की आदत हो गई है ।

<u>مولانا ایم - فاروقی</u> : کیا کالی چائے یہاں سے افغانستان بھی جاتی ہے -

†[**मौलाना एम० फारूकी** क्या काली चाय यहा से अफगानिस्तान भी जाती है ?]

श्री एन० कानूनगो अफगानिस्तान काली चाय नही जाती है, ग्रीन चाय जाती है । काली चाय जापान से आती है ।

<u>مولانا ایم - فاروقی</u> : کیا آنریبل منسٹر کو اس کا اندازہ ہے کہ ہندوستان میں اس وقت گرین چائے کتنی پیدا ہوتی ہے -

†[**मौलाना एम० फारूकी** . क्या आनरेबल मिनिस्टर का इसका अदाजा है कि हिन्दुस्तान मे इस वक्त ग्रीन चाय कितनी पैदा होती है ?]

श्री एन० कानूनगो : वह पजाब में ही करीब एक लाख पाच हजार पौंड होती है ।

<u>مولانا ایم - فاروقی</u> : اور دہرہ‌دون میں کتنی ہوتی ہے -

†[**मौलाना एम० फारूकी** : और देहरादून मे कितनी होती है ?]

†[ ]Hindi transliteration.